रक्तदान : जीवनदान

आइए करें रक्तदान जीवन के लिए

आइए करें रक्तदान जीवन के लिए

प्रोफेसर कैलाश सोडानी
कुलपति

SFX GRAPHIX MEDIA, AJMER 9529803003

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में

पुनीत आग्रह

रक्तदान शिविर

दिनांकः 03 OCT 201

समय. प्रातः 11.00 से 3.00 बजे तक

स्वास्थ्य केन्द्र, धन्वन्तरी आरोग्य भवन

सम्पर्क :– डॉ. राजू शर्मा मो.09251072100

रक्तदान कीजिये–जीवन का उपहार दीजिये।

1. रक्त की हर पल आवश्यकता है।
– प्रसव–काल में माँ के लिए– रोग या दुर्घटना में।
– हृदय रोग ऑपरेशन व अन्य ऑपरेशन करने के लिए।– शरीर में रक्त की कमी होने पर।
– नवजात शिशु का रक्त बदलने के लिए।– रक्त के कम्पोनेंटस (पूरक) से इलाज के लिए।

लक्ष्य
– रक्त की कमी से कोई जीवन दीप न बुझे।

2. रक्तदान की प्रक्रिया–
– डॉक्टर से थोड़ी सी बातचीत करना।– पंजीकरण कार्ड को साफ–साफ लिखना।
– रक्तदान कक्ष में जाकर मेज पर लेटना।– रक्तदान करना।
– सुई के निशान पर बैंड–एड लगवाना।– जलपान करना।
– आपके एक यूनिट रक्त से चार रोगियों की जरूरत पूरी हो सकती है।
– 90 दिन बाद दुबारा रक्तदान किया जा सकता है।

3. रक्तदान कौन कर सकता है ?
– कोई भी 18 से 60 वर्ष का स्वास्थ्य व्यक्ति।
– 45 किलो या उससे अधिक वजन का व्यक्ति।
– रक्त में कम से कम 12.5 ग्राम हिमाग्लोबिन की मात्रा वाला व्यक्ति।
– रक्तदाब एवं शरीर ताप सामान्य हो।
– रक्तदान से 6 महीने पूर्व तक कोई लम्बी बीमारी न हुई हो।

4. मेरे एक यूनिट रक्त का प्रयोग करने की क्या प्रक्रिया है ?
– रक्त की मलेरिया, हैपेटाइटिस–बी, हेपेटाइटिस–सी, सिफलिस और एच.आई.वी. की जांच की जाती है।
– रक्त का ग्रुप व टाईप का पता लगाया जाता है।
– रक्त थैली पर जाँच की हुई रिपोर्ट लगाकर उसे रेफ्रिजरेटर में रखा जाता है।
– रक्त संचरण से पहले, इसे रोगी के रक्त से 'क्रॉस–मैच' किया जाता है ताकि सुरक्षित रक्त सुरक्षित रूप से दिया जा सके।

5. क्या रक्तदान से पीड़ा होती है ?
– नहीं। रक्तदान से पीड़ा नहीं होती है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से हानि–रहित व पीड़ा रहित होती है। केवल सुई की चुभन मात्र ही होती है। दस से पन्द्रह मिनट में 350 मि.ली. रक्त लिया जाता है।
– रक्त उचित तापमान में 5 सप्ताह तक रखा जा सकता है।

6. मैं रक्त दान क्यों करूं?
– हम सब स्वस्थ लोगों का यह नैतिक कर्तव्य है कि हम मानव जीवन को बचाने और समय पर सहायता के लिये रक्तदान करें।

7. रक्तदान की प्रक्रिया में कितना समय लगता है ?
– रक्तदान में केवल 10 से 15 मिनट ही लगते है, परन्तु डॉक्टर से बातचीत, पंजीकरण, आराम तथा आहार आदि मिलाकर कुल 45 मिनट लगते हैं। इसके बाद आप अपने दैनिक कार्यक्रम को बेझिझक कर सकते हैं।

8. एक बार में कितना रक्त दे सकता/सकती हूँ ?
– शरीर के कुल रक्त का 1/20 भाग या अधिकतम 350 मि.ली.।

9. क्या मेरे स्वास्थ्य को कोई लाभ होता ?
– हाँ, बेशक। क्योंकि हर बार निम्नलिखित जांच की जायेगी।
– नाड़ी गति – रक्त दबाव–लौह मात्रा – रक्त ग्रुप
– आधुनिक शोध कार्यों से सिद्ध हो चुका है कि साल में कम से कम एक बार रक्तदान से महिलाओं/पुरूषों को हृदय का दौरा पड़ने का खतरा कम हो जाता है।

10. रक्त की आपूर्ति कितने समय में हो जाती है ?
– रक्तदान के 24 घंटे के अन्दर शरीर रक्त में तरल अवयव की मात्रा पूरी कर लेता है। उसमें सभी तरह की कोशिकाएं पूरी तरह से पाँच सप्ताह में तैयार हो जाती है।

11. रक्तदान से मैं कमजोर तो नहीं हो जाऊंगा ?
– बिल्कुल नहीं। रक्तदान के बाद आप अपने दैनिक कार्यों को पहले की भांति कर सकते है।

12. मैं कब–कब रक्दान कर सकता हूँ ?
– हर तीन महीने बाद। इसके साथ ही अपने जन्म दिवस माता–पिता के जन्म दिवस अथवा अन्य किसी विशेष अवसर पर रक्दान किया जा सकता है।

13. क्या मानव रक्त का कोई विकल्प है ?
– नहीं, अभी तक इसका एकमात्र स्त्रोत मानव ही है।

14. मैं रक्तदान कहाँ कर सकता हूँ ?
– अपने क्षेत्र के लाईसेन्सशुदा ब्लड बैंक में या रक्तदान शिविर में।

15. मुझे रक्तदान से डर लगता है।
– हर कार्य पहली बार करने में डर लगना स्वाभाविक है। एक बार रक्तदान के बाद आप प्रसन्नता, निडरता तथा गौरव महसूस करते है।

16. क्या रक्तदान से मुझे कोई बीमारी हो जाएगी ?
– नहीं, रक्तदान के लिए हर बार नई सुई और नई थैली का प्रयोग किया जाता है।

17. कुछ भ्रम, कुछ भय, कुछ शंका जैसे रक्तदान से–
– रक्तदान से कमजोरी और थकावट होगी – शरीर का संतुलन बिगड़ जाएगा।
– मोटापा आ जाएगा।– सुई चुभने का कष्ट होगा
– घबराहट हो जाएगा।– विशेश आहार की आवश्यकता होगी।
– पत्नी के लिए रक्त देने से, उससे पहले मृत्यु हो जाएगी।– शायद माँ न बन पाउंगी।
– रक्त का दुरूपयोग होने की संभावना हो सकती है।– मेरे पुरूशत्व में कमी आ जाएगी।
– एक–दूसरे के लिये रक्त दान से पति–पत्नी रक्त सम्बन्धी बन जाते है।

उपरोक्त भ्रम, भय व शंकाएं निराधार है।